सामाजिक विज्ञान

कक्षा 7

(सामाजिक और राजनीतिक जीवन)

अध्याय 1: समानता

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1: लोकतंत्र में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर: लोकतंत्र में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार निम्नलिखित कारणों से महत्वपूर्ण है:

1. क्योंकि यह समानता के विचार पर आधारित है।
2. सार्वभौमिक वयस्क मतदान से चुनी हुई सरकार वैध होती है।
3. अगर सबको मतदान करने का अधिकार नहीं होगा तो वह लोकतांत्रिक सरकार नहीं होगी।
4. इसमें जाति, पंथ, धर्म, क्षेत्र, लिंग, अमीर या गरीब लोगों की परवाह किए बिना हर वयस्क को वोट देने की अनुमति है।

प्रश्न 2: बॉक्स में दिए गए संविधान के अनुच्छेद 15 के अंश को पुनः पढ़िए और दो ऐसे तरीके बताइए, जिनसे यह अनुच्छेद असमानता को दूर करता है?
उत्तर :संविधान के अनुच्छेद 15 में दो तरीके जो असमानता को दूर करता हैं:

1. राज्य, किसी नागरिक के विरुद्ध केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर कोई विभेद नहीं करेगा।
2. कोई भी नागरिक केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर किसी दूकानों, होटलों, कुंओं, तालाबों, सड़कों आदि के उपयोग के संबंध में किसी भी निर्योग्यता, दायित्व, निर्बंधन या शर्त के अधीन नहीं होगा।

प्रश्न 3: "कानून के सामने सब व्यक्ति बराबर हैं- इस कथन से आप क्या समझते हैं? आपके विचार से यह लोकतंत्र में महत्वपूर्ण क्यों है?
उत्तर: इसका अर्थ है कि देश के व्यक्ति चाहे वे पुरुष हों या स्त्री, किसी भी जाति, धर्म, शैक्षिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंध रखते हों, वे सब समान माने जाएंगे। हमारे विचार से समानता लोकतंत्र के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।
क्योंकि समानता लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है। यदि लोगों को जाति, पंथ, धर्म, लिंग, संपत्ति आदि के आधार पर भेदभाव किया जाता है, तो लोकतंत्र जीवित नहीं रहेगा।

प्रश्न 4: दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार उनको समान अधिकार प्राप्त हैं और समाज में उनकी पूरी भागीदारी संभव बनाना सरकार का दायित्व है। सरकार को उन्हें निःशुल्क शिक्षा देनी है और दिव्यांग बच्चों को स्कूलों की मुख्यधारा में सम्मिलित करना है। कानून यह भी कहता है की सभी सार्वजनिक स्थल, जैसे- भवन, स्कूल आदि में ढलान बनाए जाने चाहिए, जिससे वहाँ दिव्यांगों के लिए पहुँचना सरल हो

चित्र को देखिए और उस बच्चे के बारे में सोचिए, जिसे सीढ़ियों से नीचे लाया जा रहा है। क्या आपको लगता है कि इस स्थिति में उपर्युक्त कानून लागू किया जा रहा है? वह भवन में आसानी से आ-जा सके, उसके लिए क्या करना आवश्यक है? उसे उठाकर सीढ़ियों से उतारा जाना, उसके सम्मान और उसकी सुरक्षाको कैसे प्रभावित करता है?

उत्तर: नहीं, इस मामले में उपरोक्त कानून लागू नहीं किया जा रहा है।
इस अधिनियम के अनुसार,दिव्यांगजनो के लिए सभी सार्वजनिक स्थानों पर रैम्प बनाया जाना चाहिए। जबकि चित्र में ऐसा नहीं है।
उसको इस प्रकार उठाने से उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई गई है। वह अपने आप को हीन महसूस कर सकता है।
इस प्रकार उठाने से उसके साथ कोई भी दुर्घटना होने की सम्भावना बनी रहती है।